

ELPIS® Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% W.P. (Systemic Fungicide)

Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% W.P. is a systemic & contact fungicide effective for the control of Downy mildew disease of Grapes and Cucumber and Late blight disease of Potato and Tomato crops.

Recommendation:

Crop (s)	Common Name of Pest	Dosage/Hectare			Waiting Period from last spray to harvest (Days.)
		A.I. (g)	Formulation (g)	Dilution in water (Litre)	
Grapes	Downy mildew	1440	1500-2000	500-1000	10
Potato	Late Blight	1080	1500	500-750	10
Cucumber	Downy mildew	1080	1500	500-600	10
Tomato	Late Blight	1080	1500	500-750	10

Direction of Use :

Plant Protection Equipment to be used : Recommendations for use as foliar spray using high volume spraying equipments such as knapsack sprayer, rocking sprayer, etc.

1. Completely drain equipment immediately after application.
2. Thoroughly rinse sprayer and flush the nozzles,boom and nozzles with clean water.
3. Loosen and physically remove visible deposits.
4. Flush the entire system with clean water.
5. Do not clean near wells, water sources.

Compatibility : Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% W.P. is compatible with commonly used insecticides and fungicide. Do not mix with products of alkaline nature.

Time of Application : Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% W.P. should be applied preventively to be repeated at 10-14 days interval depending on prevailing weather conditions and disease pressure.

Re-entry Period: 24 hours.

Pre harvest interval (PHI): 10 days.

Precaution : 1. Read and follow all instruction on the label and leaflet very carefully.
Save the container with label to show to the physician in case of accidental poisoning.
2. Do not inhale the contents. Wear rubber gloves, goggles, face mask and protective clothing while handling. Avoid remaining in drift of spray by applying the fungicide with the wind.
3. Do not eat, drink, smoke or chew betel leaves while spraying.
4. When spraying, take care of spray drift. Do not spray if windy conditions exist.
5. Do not fill the spray tank beyond three - fourth of its capacity. Clean the blocked nozzle by a thin wire or pin and never by blowing the same.
6. In case of any spillage on the body it should be washed with plenty of water.
7. Keep and wash personal protective equipment separately from other laundry.
8. Always change clothing and take a bath as soon as fungicidal treatment is completed.
9. Call a physician immediately if any symptoms of poisoning appear in a person who is using or has recently used the fungicide.

Symptoms of Poisoning: 1. Ingestion of this material may cause temporary central nervous system depression with Dizziness, Confusion, Incoordination, Drowsiness or unconsciousness and weight loss.
2. Inhalation or eye contact may cause eye irritation with discomfort, tearing, pain or blurred vision, irritation of the nose and throat with sneezing, sore throat or running nose and incoordination.
3. Skin contact may cause irritation with Itching, burning, redness, swelling, discomfort or rash.

First Aid: 1. In case of contact with eye, immediately flush with plenty of water for atleast 15 minutes.
Call a physician.
2. If inhaled, shift to fresh air. Do not breathing, give artificial respiration. If breathing is difficult, give oxygen.
Call a physician.
3. If swallowed, immediately give 1 to 2 glasses of water and induct vomiting. Never give anything by mouth to an unconscious person.
Call a physician.
4. If on skin, wash with plenty of soap and water. Wash contaminated clothing before re-use.

Phytotoxicity : Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% W.P. is not phytotoxic if used as per recommendation.

Antidote: No specific antidote available, treat symptomatically.

Dispose of used container: 1. Empty containers should not be re-used.
2. Destroy the empty containers after use and bury them half meter deep in solid away from habitation.
3. Surplus spray material or washings from machines and containers should be disposed off in a safe manner so as to prevent environmental and water pollution.

संरक्षण की शर्तें : 1. खाद्य व पशु पदार्थों तथा तन्मात्रु को ऐसे स्थान पर भंडारित करें जहाँ वे बिध द्वारा दूषित हो सकते हैं। 2. फफूँदीनाशक को मुख्य दिशा में बस कर एक अलग कमरे में हो खाद्य पदार्थ, दूध आहार तथा अन्य पदार्थ के भाण्डारण वाले कमरों से दूर हो, ताते के अंदर एवं कमरों व गैर निर्मादक व्यक्तियों तथा पशुओं की पहुँच से दूर रखें। 3. कमरा या गोदाम जहाँ फफूँदीनाशक खाद्य जाये अथवा ब्रह्म हुआ, टण्डा, सूखा, प्रक्रमण व हवादार होना चाहिए जिससे संस रास प्रभाव न हो। 4. फफूँदीनाशक का परिवहन इत प्रकार करें कि खाद्य पदार्थ तथा पशु आहार के संपर्क में न आयें।

मैन्कोजेब जलीय जीवों के लिए विषाक्त है इसलिए इसका इस्तेमाल जल क्षेत्रों के पास, जलसंधर्भ/ मत्स्य पालन गतिविधियों में नहीं करना चाहिए।

साधनोपरीतल स.त.:	8.000% भार/भार
मैन्कोजेब स.त.:	64.000% भार/भार
सोडियम लिमोसल्फोनेट:	6.900% भार/भार
सोडियम डोडेसिल्फोलेट बेसीन सल्फोनेट:	1.400% भार/भार
अक्राइलेटेड मैथैलीन सल्फोनेट:	1.100% भार/भार
जलिक सल्फेट, मोनोईड्रेट:	3.000% भार/भार
Wetting Agent : Sodium dodecylbenzene Sulphonate:	1.700% भार/भार
Wetting Agent: Alkylated naphthalene sulphonate:	1.100% w/w
Diluent - Zinc Sulphate, monohydrate:	3.000% w/w
Stabilizer - Hexamethylene tetramine :	1.700% w/w
Diluent - Sugar Sucrose :	Q.S. w/w
Total:	100.00% w/w

Warning: 1.Not to be used on crops and pests other than those mentioned on label and leaflets.
2.Not to be used for post-harvest application.
3.Destroy the container after use as directed on leaflet.

Caution : Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet.

Dangerous to reuse empty containers

इल्पिस

साईमोक्सैनिल ८ प्रतिशत + मैन्कोजेब ६४ प्रतिशत घुलनशील चूर्ण (अंतर्भाववाही फफूँदीनाशक)

साईमोक्सैनिल 8 प्रतिशत प्लस मैन्कोजेब 64 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण एक अंतर्भावही व स्पर्शीय फफूँदीनाशक है जो अंगूर व खीरा की मृदुरमिल अरिस्ता, आलू और टमाटर के पछेती अंगमारी बीमारीयार पर पूर्णीय छिड़काव करने पर प्रभावकारी है।

उपयोग :

फसल	रोग के सामान्य	मात्रा प्रति हेक्टेयर			अंतिम
	नाम	स.तत्व (ग्राम)	संरचना (ग्राम)	पानी की मात्रा (लिटर)	
अंगूर	मृदुरेमिल अरिस्ता	1440	1500-2000	500-1000	छिड़काव एवं कटाई में अंतर (दिन)
आलू	पछेती अंगमारी	1080	1500	500-750	10
खीरा	मृदुरेमिल अरिस्ता	1080	1500	500-600	10
टमाटर	पछेती अंगमारी	1080	1500	500-750	10

उपयोग के निर्देश:

पौधा सुखा छिड़काव करें. उच्च आयतन छिड़काव यंत्रों, जैसे पीट पर लाइकर चलाने वाले छिड़काव यंत्र, रॉकेल छिड़काव यंत्र, आदि से प्रसारण पर पूर्णीय छिड़काव द्वारा प्रयोग करें।

1.समर्थ करते समय सभी जरूरी सावधानियों का ध्यान रखें। 2. छिड़काव के पश्चात छिड़काव यंत्र को तुरन्त अच्छी तरह से साफ करें। 3. छिड़काव यंत्र के सभी भाग जैसे टंकी, नली, ह्यूम व नोजल को साफ पानी से अच्छी तरह साफ करें। 4. छिड़काव यंत्र में कोई कठोर तत्वज के जमाव को दूर करने बिनाई बाद में साफ करना एक कठिन कार्य है। 5. छिड़काव यंत्र को साफ पानी से अच्छी तरह धो लें। 6. कुंआ, पानी के खोत और खेतों के पास छिड़काव यंत्र को साफ न करें।

अनुरूपता : साईमोक्सैनिल 8 प्रतिशत प्लस मैन्कोजेब 64 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण सामान्यता इस्तेमाल के कीटनाशकों, खसतपरासनाशकों एवं खाद के साथ प्रयोग के लिए अनुकूल है। फफूँदीनाशक को किसी भी क्षारीय पदार्थ के साथ न मिलायें।

छिड़काव का समय: साईमोक्सैनिल 8 प्रतिशत + मैन्कोजेब 64 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण का मौसमी की स्थिति व रोग के दबाव के अनुसार, 10-15 दिन के अन्तराल पर निरेशी छिड़काव करें।

पुनः प्रवेश का समय : 24 घंटे

कटाई से पूर्व समय अन्तराल (पी हार्वेस्ट इंटरवल या पीएचआई): 10 दिन

प्रयोगकर्ताओं के लिये सावधानियां : 1. लेबल व जानकारी पत्र में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और पालन करें। आकस्मिक बिध प्रभाव होने पर फफूँदीनाशक का डिब्बा तथा सूचना पत्र डॉक्टर को दिखाने के लिए सम्मिलन कर रखें। 2. फफूँदीनाशक को सूँचे नहीं। प्रयोग करते समय डबलवस्त्र, चश्मा, मुखोटा पहनें और श्वासक वस्त्र का प्रयोग करें। फफूँदीनाशक की कुआर में न जायें, इसके लिए हवा की दिशा में ही छिड़काव करें। 3. फफूँदीनाशक को प्रयोग करते समय न कुछ खायें, पिंयें, न धूम्रपान करें और न ही पान चबायें। 4. छिड़काव टंकी को उसकी क्षता के 3/4 हिस्से तक भरें। पौधा छिड़काव उपकरणों की टोटी बंद हो जाने पर उसे मूँड से हटा देकर खोलने के बजाय तथा या पिन से साफ करें। ६. शरीर के किसी भाग पर गिर जाये तो कान्ची मात्र में पानी से साफ करें। 6. छिड़काव के समय इस्तेमाल किये गये वस्त्रो आदि को घरेलू इस्तेमाल वाले वस्त्रो से अलग रखें। 7. हमेशा छिड़काव के तुरन्त बाद वस्त्र बदले तथा स्नान करें। 8. फफूँदीनाशक का प्रयोग करते समय या तुरन्त बाद किसी व्यक्ति में बिध प्रभाव के लक्षण दिखायी दें तो तुरन्त डाक्टर को बुलायें।

Symptoms of Poisoning: 1. Ingestion of this material may cause temporary central nervous system depression with Dizziness, Confusion, Incoordination, Drowsiness or unconsciousness and weight loss.
2. Inhalation or eye contact may cause eye irritation with discomfort, tearing, pain or blurred vision, irritation of the nose and throat with sneezing, sore throat or running nose and incoordination.
3. Skin contact may cause irritation with Itching, burning, redness, swelling, discomfort or rash.

प्राथमिक चिकित्सा: 1. आँखों से स्पर्श होने पर, तुरंत प्रभाव मात्र में पानी से कम से कम १5 मिनट तक धोयें। 2. फफूँदीनाशक को सूँचने पर, रोगी को खुली हवा में ले जायें व आराम करावें। यदि संस नही आ रही हो तो कृत्रिम संस दें। 3. निमालने पर रोगी को एक से दो लिलस पानी मिलकर उरटी करावें। दोहोरा व्यक्ति को मुँह से कुछ न दें और न ही उरटी करावें। 4. दूषित तत्व को साबुन और पानी से साफ करें। फफूँदीनाशक को प्रयोग करते समय पहने गए काढ़ों को दोबारा प्रयोग करने से पहले अच्छी तरह धोयें।

पौधा विषाक्तता: साईमोक्सैनिल 8 प्रतिशत + मैन्कोजेब 64 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण निर्देशानुसार प्रयोग किये जाने पर फसलों पर विषैला प्रभाव नही करता है।

विष नाशक: कोई खास विष प्रतिरोधक नही, रोग का लक्षणनुसार इलाज करें।

खाली डिब्बों का निपटारा : 1. खाली डिब्बे दोबारा उपयोग में न लायें। 2. उपयोग के बाद खाली डिब्बों को तोड़ कर आबादी से दूर 1/2 मीटर गड्ढे में फकना दें। 3. बचा हुआ फफूँदीनाशक अथवा छिड़काव यन्त्र की सफाई का धोवन तथा डिब्बा पानी वाली निपटायें जिससे किसी प्रकार का जोर अथवा पर्यावरण दूषित नहीं हो।

संरक्षण की शर्तें : 1. खाद्य व पशु पदार्थों तथा तन्मात्रु को ऐसे स्थान पर भंडारित करें जहाँ वे बिध द्वारा दूषित हो सकते हैं। 2. फफूँदीनाशक को मुख्य दिशा में बस कर एक अलग कमरे में हो खाद्य पदार्थ, दूध आहार तथा अन्य पदार्थ के भाण्डारण वाले कमरों से दूर हो, ताते के अंदर एवं कमरों व गैर निर्मादक व्यक्तियों तथा पशुओं की पहुँच से दूर रखें। 3. कमरा या गोदाम जहाँ फफूँदीनाशक खाद्य जाये अथवा ब्रह्म हुआ, टण्डा, सूखा, प्रक्रमण व हवादार होना चाहिए जिससे संस द्वारा प्रभाव न हो। 4. फफूँदीनाशक का परिवहन इत प्रकार करें कि खाद्य पदार्थ तथा पशु आहार के संपर्क में न आयें।

मैन्कोजेब जलीय जीवों के लिए विषाक्त है इसलिए इसका इस्तेमाल जल क्षेत्रों के पास, जलसंधर्भ/ मत्स्य पालन गतिविधियों में नहीं करना चाहिए।

साधनोपरीतल स.त.:	8.000% भार/भार
मैन्कोजेब स.त.:	64.000% भार/भार
सोडियम लिमोसल्फोनेट:	6.900% भार/भार
सोडियम डोडेसिल्फोलेट बेसीन सल्फोनेट:	1.400% भार/भार
अक्राइलेटेड मैथैलीन सल्फोनेट:	1.100% भार/भार
जलिक सल्फेट, मोनोईड्रेट:	3.000% भार/भार
Wetting Agent : Sodium dodecylbenzene Sulphonate:	1.700% भार/भार
Wetting Agent: Alkylated naphthalene sulphonate:	1.100% w/w
Diluent - Zinc Sulphate, monohydrate:	3.000% w/w
Stabilizer - Hexamethylene tetramine :	1.700% w/w
Diluent - Sugar Sucrose :	Q.S. w/w
Total:	100.00% w/w

चेतावनी : १. लेबल व लिफटफॉर में सिफारिश किये हुये फसलों और इस्तेमाल ना करें।

खाली डिब्बों का दुबारा प्रयोग करना खतरनाक है।

इल्पिस

सायमोवड्जेनील ८% + मॅन्कोड्जेब ६४% डब्ल्यूपी (अंतर्भाववाही वरुशीनाशक)

सामोवड्जेनील ८% + मॅन्कोजेब ६४% डब्ल्यू पी है आंतरपवाही आणि स्पर्शिय वरुशीनाशक अस्तु ते ब्राह्म व काकडी वरील केवडा रोग आणि बटाटा व टोमॅटो पीका वरील उन्नीशारा कपाचे परिणामकारक नियंत्रण करते.

शिकारस :

पीक	रोग	प्रमाण/हेक्टर			शेवटरी फवारणी ते कापणी मधिल वाट पाहण्याचा कालावधि (दिवसाल)
		स. त. (ग्रे)	द्रावण (ग्रे)	सौर्य करण्या साठी पाणी (ली)	
द्राक्ष	भूरी रोग	१४४०	११००-२०००	१००-१०००	१०
बटाटा	उशिरावा करण्या	१०८०	११००	१००-७५०	१०
काकडी	भूरी रोग	१०८०	११००	१००-६००	१०
टोमॅटो	उशिरावा करण्या	१०८०	११००	१००-७५०	१०

वापरसाठी निर्देश:
भिक संरक्षक उपकरणे : ह्याला खाली दिलेल्या प्रमाणाले उच्च वायूयुग्म फवारणी उपकरणे जसे की नेपर्सकल स्प्रेयर, कूट स्प्रेयर इ. ने पूर्णिय फवारणी म्हणजेच पानावर फवारले पाहिजे.

१. वापर नंतर उपकरणे पूर्ण पोे स्वच्छ करा.
२. फवारणी यंत्राला व्यवस्थित धुवा तसेच होज, ह्यूम व नोजलला स्वच्छ पाण्याने पक्का करा.
३. जे काही जमलेले - अंश दिसतील त्यास पूर्णपोे काढून स्वच्छ करा.
४. स्वच्छ पाण्याने सर्व उपकरणे मांडी ड. फलश करून स्वच्छ करा.
५. त्यांची स्वच्छता विहीरी वा पाण्याचे झरे अस्तरील त्यांच्या जवळ करून घे.

अनुरूपता : सायमोवड्जेनील ८% + मॅन्कोड्जेब ६४% डब्ल्यूपी वापरण्यास अनुकूल आहे. वापरण्या जाणव्या कीटनाशक व वरुशीनाशका सोबत भाषाय उत्पन्न सोबत मिश्रयुक्त ये.

फवारणीची वेळ : रया वेळेचे हवामान, तसेच रोगाचे प्रमाण पाहून रोग-प्रतिरोधक फवारणी म्हणून सामोवड्जेनील ८% + मॅन्कोड्जेब ६४% डब्ल्यूपी ला १०-१४ दिवसांच्या अंतराने फवारले पाहिजे.

पुनः प्रवेश कालावधी : २४ तास.

कापणी /तोडणी पूर्वी मध्यांतर (पीएचआय): 10 दिवस

खबरदारी: १. लेबल आणि लिफटफॉरवर दिलेल्या सूचना वाचा आणि त्यांचे पालन करा.
अचानक विषबाधा झाल्यास, डॉक्टराला दाखविण्यासाठी जबा आणि लेबल सांभाळून ठेवा.
२. साहित्य श्वसाराचे आत घेऊ नका. ह्याचा वापर करताना खरी हवा नको, गॉगल्स, चेहऱ्याचा मुखवटा आणि सुरक्षित कपडे वापरवेत.
वुरशीनाशकांची फवारणी करताना वाय्याने उडणाऱ्या फवारणी तुषारसंस्पर्श राहण्याचे टाळा.
३. फवारणी करताना पावू, धूवू, धूम्रपान वा पान चवळू नये.
४. फवारणी करताना फारक्या त्या तुषारसंपर्शना वाचा, जर सतत वापर वाहत असेल तर, फवारणी करू नये.
५. फवारणी टाकली नाल्या ३/४ भरते पेक्षा अधिक मक्क नये, नोजल मध्ये वुरशीनाशक अडकल्यास ते तोंडाबद्दल फुंस्क नका ते तारेचे या चवूने न साफ करा.
६. शरीरवर फवारणीचे तुषार पडल्यास, भरपूर पाण्याने धुवा.
७. खाजगी सुरक्षात्मक उपकरणे व वस्तूंना वेगळे ठेवा आणि त्यांना दुसऱ्या वस्तू सोबत मिश्रण घडू नका.
८. वुरशीनाशकाचा फवारणी उपकरा झाल्यावर स्वतःक बंदला आणि आंधोस करा.
९. जर एखादा व्यक्तीने वुरशीनाशकाचा वापर आताच केला आहे वा करीत आहे त्यास विषबाधेची लक्षणे दिसून येत असतील तर, स्वतः डॉक्टराला बोलावा.

विषबाधेची लक्षणे: १. हे वुरशीनाशक पोटात गेल्यास तारुसुरया रुपाचे रंथे संस्था (नर्व्हस सिस्टीम) प्रभावीत अस्वरस्वते सोबत हारणारे, डोके दुखणे, संभ्रम वा बेसुद्ध होण्याची भावना उत्पन्न करू शकते.
२. जर डोळ्यांची संपर्क झाल्यास जळजळीत डब बघीने, अंधश्रुणे, दुखणे आणि खुसर दिवू शकते.
३. त्वरेशी संपर्क झाल्यास जळजळीत राह खाव, तालसरकण, सूज, बघीने वा अस्वरस्वता दहू शकते.
४. श्वसा सोबत आत गेल्यास वरील श्वसनमल्लेख राखडीसरह खोकला व बघीने उत्पन्न करू शकते.

प्रथमोपचार: १. जर डोळ्यांची संपर्क झाला तर, स्वतः भरपूर पाण्याने जळ-जळ १५ मिनट पलत करा. डॉक्टराला बोलावा.
२. जर गिळचे गेले तर, मोठेका हवेत आणा. जर श्वास घेत नसेल तर कृत्रिम श्वासासोस घा.
जर श्वास घेण्यास नस होत असेल तर, ऑक्सीजन घा. डॉक्टराला बोलावा.
३. जर गिळचे गेले तर, स्वतः १ ते २ खाल पाणी देवून उरटी करावची. जर कणा बेसुद्ध असेल तर तोंडावर काहीही देऊ नये. डॉक्टराला बोलावा.
४. जर त्वचेवर पडल्यास भरपूर साबण आणि पाण्याने धुवा. संपर्काला आलेले कपडे पुनः वापरण्याची घुवा.

१०% विषकारणित: जर शिफारस केलेल्या प्रमाणाले वापरल्यास सामोवड्जेनीली ८% + मॅन्कोड्जेब ६४% रोगसंशोटी विषारी नाही.

विषोपचार: कोणताही खास विषोपचार माहित नाही, लक्षणानुसार उपचार करा.

रिक्तया डब्यांची विनव्हाट: १. रिक्तया डब्यांचा कधीही पुनर्वापर करू नये.
२. रिक्तानी डबे मोडून-तोडून नका कारण आणि मनुष्ये वक्रीसारास दूर निमन जाण।
१/२ मीटर खोल खड्खडाल टाका.
३. उपरलेले द्रावण, मशीन घुलतेले पानी, तसेच डबे आधी आका प्रकारे विनव्हाट लावावी योग करून सावधान राहणे.

सावधान: १. ह्या सामाणी जी जाणा दूषित होवू शकेल तेथे अन्ध, पेयजल तसेच तंबाकू ठेवू नका, तसेच त्यांचे सेवन करू नका.
२. वुरशीनाशकाला मुले, गैर जबाबदार व्यक्ति तसेच प्रामाण्यासून दूर, आमरुध्वाध्या खोली पारून वेळ्याख खोलीत रावून चवीत मूक पंकीम गये तेव्यस्त बंद करून सावधान राहणी.
३. रावण करायची खोली मजबूत बांधणीची, रेंड, कोरडी, द्यस्तिक बंद केला जाणारी तसेच वेश्शरीर असावी, ती लांब रेंड असावी, जेणे करून वाकेंने प्रवृण होणार नाही.
४. वुरशीनाशकाचे परिवहन अशा प्रकारे करावे की इतर कीटनाशकाचे, अन्धमध्याई तसेच जनसंख्याचा चानाशी संपर्क होणार नाही.

मॅन्कोड्जेब जलजीवांघी विषारी आहे म्हणून ह्याचा वापर जलसंधर्धन/ मत्स्य-पालन जलाशय क्षेत्रां जवळ वापरू नये.

सायानिक संरचना :	
सायमोवड्जेनल स.त. :	८.०% व/व
मॅन्कोड्जेब स.त. :	६४.०% व/व
डिस्पर्सिंग एजेंट सोडियम लिमोसल्फोनेट :	६.९% व/व
वेटिंग एजंट सोडियम डोडेसिल सॅल्फोनेट्स :	१.४% व/व
वेटिंग एजंट अल्किलेटेड नेथ्थालीन सल्फोनेट :	१.१% व/व
डायलुअंट शिक सल्फेट, मनाोहायड्रेट :	३.०% व/व
स्टेबिलाइझर हेक्सामिथिलीन ट्रेटा अमाइन :	१.७% व/व
डायलुअंट सुगार सुकोजे :	क्यू एस३ व/व
एकूण :	१००.०% व/व

चेतावनी : १. लेबल व लिफटफॉर मर शिफारस केलेली पिके आणि कीटनाशियाय इतर वर वापर करू नये.
२. पोस्ट हार्वेस्ट अनुप्रयोग करीता वापरण्याजोगी नाही.
३. लिफटफॉर मधे निर्देशित केल्या प्रमाणे वापरानंतर डब्यांची विनव्हाट लावा.

साधारणीर : ह्या लेबल /पत्रिका वर निर्देशित पीका व्यतिरिक्त इतर पीकावर वापरू नये.

वापरलेल्या डब्यांचा पुनर्वापर धोकायदाय.

इल्पिस

सायमोवड्जेनील ८% + मॅन्कोडेब ६४% डब्ल्यू पी
प्रमाण:१०८० ग्रॅ + मॅन्कोड्जेब ६4% डब्ल्यूपी
(अंतर्भाववाही वुरशीनाशक)

जलजामेपाः					
पाड	रोग	प्रति हेक्टर मात्रा			ठेवला ठंडकावधी वखाली वखेले प्रतीकाभावे (दिवसोमे)
		म.त. (ग्र.)	कॅमेरु लेखन (ग्र.)	पाछील प्रमाणा (ली.)	
ब्राह्म	डाईनी मिल्ड्यू	१४४०	११००-२०००	१००-१०००	१०
मटार	पाछोवले सुछोरा	१०८०	११००	१००-५००	१०
काकडी	डाईनी मिल्ड्यू	१०८०	११००	१००-६००	१०
टोमेटो	पाछोवले सुछोरा	१०८०	११००	१००-५००	१०

उपयोगी सुचना:
पी.पी. भाक्षन : पाछाेरभाक्षन रंडकावा मोठे उपयोगांमे लेवांन। निमोणुछाेर अर्धेअठ रंडावर, रीडोअ रंडावर, वरोमे मोठे (लमोआछ कडवांमे आये वें।
१. वापर पछी टाट व भाक्षमांथी प्रवाछी भांती कडें वुं.
२. रंडावेर मोठी रीते वेंछें गैरावुं तथा छेअ (पाएरुं), वुअ अने लोअमांथी भाक्ष पाछी पांशार करीते होवें लेवां.
३. भाजी गयेली अने गश्चे पडतो कसरे ठेवेछी गैरावा.
४. छेअचुं भाक्षमांभाळीं मोठी रीते होवें लेवी.
५. दूध के पाछीलो मोठे पांशे भाक्षगश्चे ग करवी.

सुछाेठवा : सायमोवड्जेनल ८% + मॅन्कोडेब ६४% डब्ल्यूपी. भाक्षमांथपछी वयरांन। सुछाेठवाछे तथा सुछाेठवाछे भांथी सुछाेठ वें. भांथीय (भांल्लेगश्चे) गुळभांश धवावला ठेवलांन। भांथी लेमोणुछाे होवें.

रंडकावो अमय: सायमोवड्जेनल ८% + मॅन्कोडेब ६४% डब्ल्यूपी. प्रतीठेवांमअ रीते वापरवुं होवेंछें अे, ठेवेंछे जणुआच्या अणुछाेर प्रवदोआन आंमोवलांन। छेअी तथा ठेवोआ व्हापछाे वर १०-१४ दि

